being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Difference between cost of production and selling price of Lux toilet soap and Cibaca tooth brush

728. SHRI JAGESH DESAI:
DR. RUDRA PRATAP SINGH:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the cost of manufacturing one cake of Lux toilet soap is Rs. 1.03 and that of Cibaca tooth brush is Rs. 1.06;

(b) whether it is also a fact that these items are being sold at a profit of 300 per cent to 400 per cent; and

(c) whether Government would get this examined by the Bureau of Industrial Costs and Prices and compel these companies to sell these items at reasonable prices?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) There is adequate production of toilet soaps and tooth brushes in the country and these are being sold under various brand names. The prices are determined by the interplay of market forces in a competitive market. There is no proposal to get the prices of these two items examined by the Bureau of Industrial Cost and Prices.

भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची द्वारा अर्जित भूमि के मूल्य का भुगतान

729. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची के लिए अर्जित भूमि के सम्बन्ध में अभी कितनी राशि का और भुगतान किया जाना है ; और

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ।

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) और (ख) बिहार सरकार द्वारा हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के लिए अधिगृहीत भूमि के लिए कोई प्रतिपूर्ति भुगतान लम्बित नहीं है ।

बिजली की कमी के कारण कोल इंडिया लि० को हुई हानि

730. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिमी बंगाल और बिहार में स्थित कोल इंडिया लि० की अधिकांश खानों को बिजली की कमी के कारण भारी हानि उठानी पड़ी है ?

(ख) यदि हां, तो जून और जुलाई, 1990 के दौरान इन कोयला खानों की कार्यक्षमता पर क्या असर पड़ा और इन्हें हुई हानि का ब्यौरा क्या है ;

(ग) इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, हां ।

(ख) जून तथा जुलाई, 1990 के महीनों के दौरान पूर्वी क्षेत्र की खानों में बिजली की कमी होने के कारण कोयले के उत्पादन की हानि हुई । 25 तथा 26 जून, 1990 को पूर्वी क्षेत्र में ग्रिड के फेल हो जाने के कारण कोयला खानों में बिजली की आपूर्ति बहुत बड़ी तरह से प्रभावित हुई । उक्त क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण स्थिति और बिगड़ गई । पानी में डूबने की वजह से 111 कार्य स्थानों पर कोयले के उत्पादन पर प्रभाव पड़ा (ई०सी०एल० 31, बी०सी०सी०एल० 50, सी०सी०एल० 30) चूंकि बिजली में व्यवधान होने के कारण पानी को निकालने के कार्य में रुकावट आयी । इस अवधि के दौरान कोयले के उत्पादन

में हुई हानि का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

कोयले के उत्पादन में हानि (लाख टन में)

माह	ई०को०लि०	भा०को०को० लि०	से०को०लि०	जोड़
जून, 90	2.75	2.00	1.00	5.75
जुलाई, 90	3.94	2.15	1.70	7.79

(ग) कोयला खानों में बिजली की आपूर्ति में सुधार करने के लिए कुछ उठाए गए सुधारात्मक कदम नीचे दिए गए हैं :—

(1) बिजली की आपूर्ति की स्थिति पर लगातार निगरानी तथा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, पूर्वी क्षेत्रीय विद्युत बोर्ड, डी०वी०सी०, एन०टी०पी०सी०, बिहार राज्य विद्युत बोर्ड तथा कोल इंडिया लि० के बीच निकटतम समन्वय रखना ताकि कोयला कंपनियों को प्राथमिकता के आधार पर बिजली की आपूर्ति की जा सके।

(2) नार्दन ग्रिड तथा उड़ीसा से डी०वी०सी० पद्धति को अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति।

(3) कोयला कंपनियों के पास उपलब्ध लघु कैप्टिव विद्युत आपूर्ति यूनिटों का लगातार प्रचालन।

(4) कोयला तथा गैर-कोयला आपूर्ति फीडरों का पृथक्करण।

दामोदर घाटी निगम द्वारा बिजली की पूर्ति

731. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दामोदर घाटी निगम, बिहार और पश्चिमी बंगाल को बिजली की पूर्ति करने की स्थिति में नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ग) इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) से (ग) दामोदर घाटी निगम, पूर्वी क्षेत्र एवं बिहार तथा पश्चिमी बंगाल में पड़ने वाले घाटी क्षेत्र में स्थित रेल, कोयला एवं इस्पात के प्रमुख क्षेत्रों को या प्रत्यक्ष या इन राज्यों के बिजली बोर्डों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर बिजली की आपूर्ति करता है। अप्रैल-जून, 1990 की अवधि के दौरान, दा०घा०नि० प्रणाली में विद्युत की उपलब्धता 1411 मिलियन टन थी, जबकि मांग 1760 मिलियन यूनिट थी। बिजली की उपलब्धता में कमी, डी०वी०सी० यूनिटों जिनमें से कई यूनिटें बहुत पुरानी हैं के समक्ष आने वाली जबरन बन्दी आदि जैसी कई प्रचालनात्मक समस्याओं के कारण है। दा० घा० नि० में बिजली की उपलब्धता की अनुपूर्ति करने के लिये पड़ौस स्थित प्रणालियों से यथासम्भव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

Revival and rehabilitation of Cycle Corporation of India Limited and National Bicycle Corporation of India Limited

732. SHRI SUNIL BASU RAY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are considering the revival and rehabilitation of Cycle